# Field Day of Rice varieties conducted in East Champaran

Under the NASF Project "*Development and Validation o Need Based Technology delivery model through FPO in eastern Region of India" A field day was organized in Deephi Village of Chiraya Block, East Champaran on 8th October 2021.*

The FLD was conducted in 43 hectare area in Chiraya and Sangrampur blocks. Three important Rice varieties *(Swarna Shreya, Swarna Samridhhi Dhan and Swarna Shakti Dhan*) developed by ICAR-RCER Patna were demonstrated to the FPO farmers for seed production.

Dr. Santosh Kumar (rice breeder), Dr. Anirban Mukherjee (principal Investigator of the Project) and Dr. Dhiraj Kumar Singh (Co-Investigator) visited and monitored the ongoing FLDs program. Dr. Thakur Prasad Entomologist, RPCAU was also invited for the Field day as an expert. They participated in Field Day followed by a scientist and farmers interaction and discussed about problems and prospects of seed production.

The Rice breeder Dr. Santosh Kumar, discussed about the potential of the varieties for drought and flood tolerance. Right way of sowing and precaution to be taken during seed production practices. He also stressed upon importance of improved seed for rice cultivation to the farmers.

Dr. Anirban Mukherjee, Principal Investigator of the project discussed about the performance of the varieties, possibilities of seed multiplication, and bringing this venture in a business mode.

Seed business is one of the profitable businesses where farmers can earn handsome amount of profit. Seed production through FPO has huge scope and benefits to farmers. The quality seed produced by farmers themselves will reduce the cost of transportation and time of delivery. Therefore if an FPO is producing seed it can be distributed to the farmers in that district very quickly.

Dr. Dhiraj Kumar Singh, Co-PI of the project stressed upon importance of planning for upcoming Rabi season crops. He stressed upon entrepreneurship development in FPO.

Dr Thakur Prasad answered several diseases and pest related problems of Farmers in different crops. There were about 100 farmers from Chiraiya, Sangrampur and Ghorasahan block attended the Field day program and participated in scientist farmer's interaction. They learned first-hand knowledge about the drought tolerant rice varieties and their seed production techniques.

# *News Coverage*

## जलवायु अनुकूल धान बीज का होगा उत्पादन

चिरैया | निज संवाददाता

प्रखंड के दीपही गांव में शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना द्वारा धान की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सह प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष की परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान द्वारा विकसित तीन किस्में में स्वर्ण श्रेया, स्वर्ण शक्ति एवं समृद्धि धान के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन को किसानों के खेत पर वैज्ञानिकों द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर इन किसानों के ब्रीडर डॉ. संतोष कुमार एवं अन्य वैज्ञानिकगण डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी, डॉ. ठाकुर प्रसाद तथा डॉ. धीरज कुमार सिंह ने सभी किसानों के साथ विचार विमर्श करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। किसानों द्वारा यह बताया गया कि तीनों ही किसमें स्वर्ण श्रेया, स्वर्ण शक्ति तथा स्वर्ण समृद्धि धान स्थानीय किस्मों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इस वर्ष बाढ़ आने के कारण चौर क्षेत्र में धान की फसल को काफी नुकसान भी हुआ है। किसानों के खेत पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया कि स्वर्ण श्रेया किस्म में कोई बीमारी नहीं आई थी। जबकि दूसरे खेत के स्थानीय किस्मों में बीमारी आ गई थी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संतोष कुमार ने धान के बीज उत्पादन विषय पर व्याख्यान भी दिया। इस अवसर पर केविके पिपराकोठी के कीट विशेषज्ञ डॉक्टर ठाकुर प्रसाद सहित अन्य थे।

### मिली जानकारी

- धान की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
- चिरैया प्रखंड के दीपही गांव में हुआ प्रशिक्षण का आयोजन

Prabhat Khabar, East Champaran, 9.10.2021

icar ptana | Climate friendly paddy seed wil

produced-4785876.html

entific... Gmail YouTube Maps Search for papers o...

21 05:01 PM हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान

चिरैया | निज संवाददाता

विज्ञापन

Needs Beyond Medicine
EASE THE FINANCIAL BURDEN OF A CANCER PATIENT.
DONATE

प्रखंड के दीपही गांव में शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना द्वारा धान की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सह प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष की परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान द्वारा विकसित तीन किस्में में स्वर्ण श्रेया, स्वर्ण शक्ति एवं समृद्धि धान के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन को किसानों के खेत पर वैज्ञानिकों द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर इन किसानों के ब्रीडर डॉ. संतोष कुमार एवं अन्य वैज्ञानिकगण डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी, डॉ. ठाकुर प्रसाद तथा डॉ. धीरज कुमार सिंह ने सभी किसानों के साथ विचार विमर्श करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। किसानों द्वारा यह बताया गया कि तीनों ही किसमें स्वर्ण श्रेया, स्वर्ण शक्ति तथा स्वर्ण समृद्धि धान स्थानीय किस्मों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इस वर्ष बाढ़ आने के कारण चौर क्षेत्र में धान की फसल को काफी नुकसान भी हुआ है। किसानों के खेत पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया कि स्वर्ण श्रेया किस्म में कोई बीमारी नहीं आई थी। जबकि दूसरे खेत के स्थानीय किस्मों में बीमारी आ गई थी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संतोष कुमार ने धान के बीज उत्पादन विषय पर व्याख्यान भी दिया। इस अवसर पर केविके पिपराकोठी के कीट विशेषज्ञ डॉक्टर ठाकुर प्रसाद सहित अन्य थे।

विज्ञापन

**Hindusthan, East Champaran, Date 9.10. 2021**